एकल नारी की आवाज

अंक : 43 , माह : मार्च, वर्ष : 2017, निजी प्रसार हेतु

उमड़ते सौ करोड़ वन बिलियन राईजिंग, 2017

संगठन सदस्यों ने एकजुट होकर महिलाओं पर हो रही हिंसा व शोषण के खिलाफ उठायी आवाज....

25 नवम्बर 2016 से 14 फरवरी 2017 तक महिला हिंसा के विरोध में चलाया अभियान

अभियान का हिस्सा बने विद्यार्थी एवं संगठन सदस्य

वन बिलियन राईजिंग (उमड़तें सौ करोड़) महिलाओं के खिलाफ हिंसा समाप्त करने का अर्न्तराष्ट्रीय अभियान है।

राजस्थान की एकल बहिनों द्वारा 25 नवम्बर से 14 फरवरी 2017 तक उमड़ते सौ करोड़ (वन बिलियन राईजिंग) मनाया । इस अभियान में महिला हिंसा के विरोध में संगठन सदस्यों ने पंचायत, ब्लॉक, व जिले स्तर पर चैतना रैली आयोजन कर, संगोष्ठी व महिला सभा करके लोगों को महिला पर होने वाली हिंसा का विरोध करने के लिए जागरुक किया गया। क्योंकि इसी दुनिया मे हर तीसरी महिला किसी न किसी हिंसा से पीड़ित है। इस अभियान को मनाने के लिए 14 फरवरी का दिन चुना गया। क्योंकि यह प्रेम का दिवस है, यह अभियान 25 जिलों की 80 ब्लाक में जोशपूर्ण तरीके से मनाया गया। जिसमें 3,580 महिलाओं, किशोरियां व अन्य सहभागियों ने भाग लिया।

विश्व में महिलाओं के साथ हो रही हिंसा व दुराचार हमारे घरों, समुदायों और देशों में संघर्ष और अस्थिरता का रुप ले चुका है। औरतों व प्रकृति पर बढती हिंसा आज हम सभी का मुद्दा बन चुका है। आज दुनिया की आधी आबादी अपने आपको असुरक्षित महसूस करती है।

यह बहुत गंभीर मुद्दा है। संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार हर तीन में से एक औरत हिंसा का सामना करती है। यानि विश्व में 100 करोड़ औरतें हिंसा की शिकार है। उमड़ते सौ करोड़ यह एक क्रांतिकारी अभियान है।

आयोजित गतिविधियां

- 3,500 संभागियों ने लिया भाग।
- पंचायत, ब्लाक व जिला स्तर पर चैतना रैली व बैठक आयोजन।
- गांवो में दीवारों पर नारा लेखन किया गया।
- विद्यालयों में 8 से 12वीं तक की कक्षा में इस अभियान के बारे में जानकारी दी गई।
- आंगनबाडी व ग्राम सभा में महिला हिंसा के बारे में बात की गई।
- कई सदस्यों द्वारा नुक्कड़ नाटक किया।

सुनो..... मुख्यमंत्री जी म्हाका मन की बात.....

वृद्ध एकल विधवा महिलाओं ने चलाया पोस्ट कार्ड अभियान....

वृद्ध विधवा महिलाओं ने पोस्ट कार्ड पर लिख-लिख कर भेजी अपनी समस्याएें......

पोस्टकार्ड डालती हुई संगठन सदस्याऐं..

एकल नारी शक्ति संगठन की राज्य स्तरीय सदस्य बैठक 23-24 जुलाई, 2016 को उदयपुर में आयोजित की गई थी। जिसमें सामाजिक सुरक्षा पेंशन एकल महिला पेंशन को लेकर चर्चा हुई जिसमें समस्या निकल कर आई कि जो वृद्ध एकल महिलाऐं है उनकी पेंशन राशि 500 रु बहुत कम है और इस उम्र के बाद काम मिलना व काम करना भी मुश्किल होता है। इस पर सभी राज्य स्तरीय सदस्यों ने एक स्वर मे मांग रखी की वृद्धा पेंशन मे बढोतरी होनी चाहिए। और इसी निर्णय के आधार पर सभी बहिनों ने कहा कि हम अपना दुख, मन की बात व समस्या किसको बतायें। इसके लिए बहिनों ने सामूहिक निर्णय लिया कि हमें हमारी मुख्यमंत्री महोदया को अपनी बात समस्या पहुंचानी चाहिए। इसी निर्णय के आधार पर एकल नारी शक्ति संगठन की एकल वृद्ध महिलाओं ने अगस्त माह में राजस्थान के 33 जिलों के 120 ब्लाकों से 1850 पोस्टकार्ड लिख कर मुख्यमंत्री महोदया के नाम भेजे। इन भेजे गये सभी पोस्टकार्ड पर सभी ने अपनी-अपनी बात समस्या लिखी कि क्यों पेंशन बढानी चाहिए?

पोस्ट कार्ड अभियान का असर...

- जुलाई 2016 में संगठन की राज्य स्तरीय बैठक में उठी थी यह समस्या की विधवा वृद्ध महिलाओं को जीवनयापन में हो रही है बहुत कठिनाई। वहीं पर निर्णय लिया गया कि मुख्यमंत्री जी को भेजेंगे अपनी-अपनी समस्याऐं और पेंशन बढ़ाने की करेगें मांग...

अलग-अलग पंचायतों, ब्लाकों, जिलों से वृद्ध एकल महिलाओं ने मुख्यमंत्री के नाम पोस्ट किये 1850 पोस्ट कार्ड...

राजस्थान सरकार बजट घोषणा 2017-2018

- 8, मार्च 2017 को राजस्थान की मुख्यमंत्री महोदया द्वारा राजस्थान सरकार बजट घोषणा 2017-2018 में वृद्ध विधवा महिलाऐं जो कि 60 साल से उपर है उनकी पेंशन राशि 1 जुलाई, 2017 से 500 रु से बढाकर 1000 रु प्रतिमाह की जाने की घोंषणा की है।

अन्य घोषणाऐं

- आर्थिक रुप से कमजोर विधवा महिलाओं की पुत्रियों के विवाह हेतू वर्तमान में संचालित सहयोग एक उपहार योजना के तहत् आर्थिक सहायता हेतू 10,000 रु से बढाकर दुगना किया गया। यह राशि बच्ची के शिक्षा के आधार पर दुगनी होगी। जो कि स्नातक है तो 40,000 रु तक हो सकती है।
- समस्त विशेष योग्यजन सम्मान पेंशन योजना के तहत् उम्र का आधार ना मानकर समस्त पात्र विशेष योग्यजनों की पेंशन राशि 1 जुलाई 2017 से 750 रु की जाने की घोषणा की गई।

संगठन की मदद से गीता बाई के जीवन में आई खुशीयां

गीता पत्नि स्व0 सुखाराम जी, गांव सोजत सिटी की रहने वाली एक विधवा एकल महिला है। यह बहन एकल नारी शक्ति संगठन से 8 साल से जुड़ी हुई है एवं ब्लॉक की सदस्य के साथ-साथ जिले व राज्य पर भी संगठन से जुड़ी हुइ है।

एक बार गीता बाई ने संगठन कार्यकर्ता को फोन किया और बताया कि मेरे जेठ-जेठानी ने मुझ से मेरा मकान और जेवर छीन लिये हैं। मुझे मार-पीट कर घर से बाहर निकाल दिया है और मेरे ही खिलाफ थाने में मेरी रिपोर्ट लिखवादी है कि मैं अपने बच्चों को लेकर किसी दूसरे आदमी के साथ भाग गई हूं। फिर गीता ने कार्यकर्ता को बताया कि मैं अपने दोनों छोटे बच्चों को लेकर पाली जिले में अपनी मां के घर रह रही हूँ। उसने आगे बताया कि मेरे दो बड़े बच्चे जेठ के ही पास हैं, मुझे मेरे बच्चे उनसे दिलवादो, मुझे और कुछ नहीं चाहिए। इस पर कार्यकर्ता ने संगठन कार्यकर्ता दुर्गा बाई को पाली जा कर समस्या की जांच करने और मदद करने भेजा। यहां से दुर्गा बाई और गीता अपने दोनों छोटे बच्चों के साथ कलेक्टर साहब के पास गई और सारी बात वहां बतायी। तब कलेक्टर साहब ने तुरन्त सोजत थाने फोन किया और गीता को कहा कि तुम कल सुबह 10 बजे अपनी रिपोर्ट दर्ज करवाकर कार्यवाही शुरू करवाना। गीता ने ऐसा ही किया। फिर जेठ जेठानी के साथ ही गीता के दोनों बड़े बच्चों को भी थाने में बुलाया गया। यहां पर जेठ-जेठानी गीता से लड़ाई झगड़ा करने एवं भला बुरा कहने लगे। जिठानी ने पुलिस वालों से कहा कि गीता किसी अन्य आदमी के साथ भाग गई थी। इसलिए हमने ऐसा किया था। तब गीता ने कहा कि मैं भागी नहीं थी, मैं तो मेहन्दी की फैक्ट्री में काम करने जाती हूँ। जब मैं फैक्ट्री से घर आई थी तब मुझे मेरे दोनों छोटे बच्चे घर के बाहर बेठे हुए एवं रोते हुए मिले, जब मैंने कारण जानना चाहा तो मुझसे इन दोनों ने लड़ाई झगड़ा किया। इसलिए मैं मेरी मां के घर आ गई थी। इस पर पुलिस ने दोनों पक्षों में समझाईश करवायी और जेठ व जेठानी को पाबन्द किया। पुलिस वालों की बात सुन कर गीता के जैठ व जैठानी ने माफी मांगी और उन्होंने गीता के घर के कागज, जैवर और दोनों बड़े बच्चों को गीता को लोटाने की बात कही। इसके बाद गीता के जेठ व जेठानी ने गीता को परेशान नहीं किया। अभी गीता बाई का बड़ा लड़का सूरत में फैक्ट्री में काम करता है और उसकी बड़ी लड़की की शादी भी 28 मार्च को तय हो गई है। गीता बाई बहुत खुश है और वह संगठन व संगठन कार्यकर्ताओं का धन्यवाद देती है कि संगठन की मदद से उसकी जिन्दगी फिर से खुशहाल हई है।

संगठन सदस्याओं के जोश के आगे हार गया शराब का ठेकादार

ना संघर्ष ना तकलीफ, तो क्या मजा है जीने में,
बड़े-बड़े तूफान थम जाते है, जब आग लगी हो सीने में

ग्राम बस्सी जिला अलवर में एकल नारी शक्ति संगठन की बहनों के सक्रिय योगदान से गांव में शराब का ठेका लगने से पहले ही रोक दिया गया। यहां गांव में ठेकेदार ने शराब की दुकान बनाने के लिए चुनाई की सारी सामग्री डलवादी और जे0सी0बी0 मशीन मंगवा कर दुकान बनाने का काम शुरू कर दिया।

जब इस बात की खबर गांव में एकल नारी शक्ति संगठन की सदस्यों को लगी उन्होंने इस बात को संगठन की ब्लॉक कमेटी बैठक में उठाया। यह बात सुन कर कार्यकर्ता अकीला बानो एवं सब बहनों ने निणर्य लिया की गांव में शराब की दुकान होगी तो गांव के लोगों का स्वास्थ्य खराब होगा एवं महिलाओं को भी परेशानी होगी, क्योंकी शराब की दुकान के सामने से गुजरते समय शराबी गंदी-गंदी गालियां निकालते है और महिलाओं को छेड़ते है। तो सभी सदस्यों ने एक सुर में कहा कि गांव में शराब की दूकान नहीं बनने देंगे। फिर संगठन सदस्य एक साथ इकट्‌टी होकर ठेकेदार के पास गई और कहा कि आप यहां पर शराब की दुकान का निर्माण नहीं कर सकते। तब ठेकेदार ने कहा कि क्यों नहीं कर सकता यह जगह मैंने खरीदी है। इसी समय गांव की अन्य औरतें भी एकत्र हो गई सदस्यों के सुर में सुर मिलाकर विरोध करने लगी। इस पर वहां सरपंच साहब को बुलाया गया और उसके सामने विरोध प्रदर्शन किया गया।

लेकिन ठेकेदार के लगातार हंगामा करने पर कोई नतीजा नहीं निकल सका। इसी बीच पुलिस भी वहां पर आ गई। सरपंच ने महिलाओं से कहा कि आप ही इस दुकान को बनने से रोक सकती हो।इसके बाद संगठन की बहनों ने पुलिस वालों को संगठन का बिल्ला दिखाया और संगठन की जानकारी देते हुए कहा कि हम संगठन की सदस्य है, हम हर महिने संगठन की मिटिंग में जाते हैं, हमारा संगठन राजस्थान के 33 जिलों में काम कर रहा है। हम मर जायेंगे लेकिन यह शराब की दुकान नहीं बनने देंगे। फिर बहनों ने ठेकेदार से कहा की या तो तु राजी से ये दुकान निर्माण की सामग्री यहां से हटा ले और दुकान निर्माण रोक दे नहीं तो अभी हम सब बहने आगे की कार्यवाही करेंगी। इस पर पुलिस वालों ने भी कहा कि अगर गांव की महिलाऐं नहीं चाहती की शराब की दूकान बने तो तु जबरदस्ती क्यों निर्माण कर रहा है। लेकिन ठेकेदार नहीं माना और उसने जे0सी0बी0 चालू करवादी। फिर क्या था महिलाऐं जे0सी0बी0 से चिपक गई और नहीं रोकने पर जैसीबी के सामने आने की बात कहने लगी। इस पर जै0सी0बी0 वाले ने जे0सी0बी0 रोक दी और ठेकेदार से बोला की मैं जे0सी0बी0 आगे नहीं बड़ा सकता।

ठेकेदार समझ गया की इन औरतों के आगे उसकी नहीं चलेगी तब उसने बहनों से कहा कि तुम जीती और मैं हारा। इसके बाद वो अपने सामान वहां से हटाने लग गया। इस प्रकार संगठन की सदस्यों ने गांव की अन्य बहनों को संगठित कर गांव में शराब की दुकान को बनने से रोक दिया। गांव वाले इस बहनों की बहुत तारीफ कर रहे थे। कह रहे थे की ये बहनें इतना जोश नहीं दिखाती तो वो यहां शराब की दुकान बनाक र ही दम लेता।

संगठन की मदद से 5 माह में ही बन गया मेरा मकान

जड़ाव बाई एकल नारी शक्ति संगठन की ब्लॉक कमेटी सदस्य है। इसके पति का नाम धन्ना जी है, एवं जाति से धाकड़ है। गांव व ग्राम पंचायत जामोली, जिला भीलवाड़ा की रहने वाली है। इसके पति की मृत्यु करीब 7 वर्ष पहले हो चुकी है। जड़ाव के 7 बेटे व एक बेटी है। एकल होने के बाद से ही जड़ाव बाई का जीवन परेशानियों और दुखों से भर गया। 8 बच्चों के पालन पोषण की जिम्मेदारी जो इस पर आ गई थी।

लेकिन जड़ाव ने हिम्मत नहीं हारी और मेहनत मजदूरी कर बच्चों का पालन पोषण करने लगी। उसने संगठन को बताया कि ''मेरी समस्या यह है कि इस मेरे मकान के पास की जमीन पर सालों से ही मेरा कब्जा है और मैं इस पर मकान का निर्माण करवाना चाहती हूँ। लेकिन मेरे पड़ौसी मुझे ऐसा करने से रोक रहे हैं। जब भी मैं मकान बनाने की कोशिश करती हूँ तो पड़ौसी महिलाऐं मुझसे लड़ाई झगड़ा करने लगती और मारपीट करने तक की नौबत आ जाती है।''

जड़ाव संगठन की सदस्य थी, इस नाते उसे पता था कि ऐसी स्थिति में क्या करना चाहिए। तब उसने एकल नारी शक्ति संगठन का बिल्ला लगाया और चल पड़ी पण्डेर थाने में रिपोर्ट लिखवाने के लिए। रिपोर्ट तो दर्ज हो गई लेकिन पुलिस थाने वालों ने कार्यवाही नहीं की। जब काफी दिनों तक कुछ नहीं हुआ। तब वो संगठन कार्यकर्ता लाली धाकड़ से मिली। यहां से वो दोनों पण्डेर थाने में गये वहां पर पिछली रिपोर्ट का हवाला दिया और लाली जी ने कहा कि ये हमारे एकल नारी शक्ति संगठन की सदस्य है। फिर सारी बात थाने वालों को बतायी कि यह एकल विधवा महिला हैं एवं इस पर काफी जिम्मेदारी है और वो जमीन इसके कब्जे में ही है। इस पर लाली जी द्वारा जड़ाव से संगठन के लेटर पेड पर उसकी समस्या लिखवाकर थाने में दी और वो दोनों गांव आ गये। कुछ समय बाद थाने से से चार पांच पुलिस वाले जड़ाव बाई के गांव जामोली में आये और वहीं खड़े रहकर मकान की नींव खुदवाने की बात कही।

इस पर जड़ाव बाई ने तुरन्त कारीगर व बेलदार को बुलवाकर नीम खुदवाई और मकान की चुनाई का शुभारम्भ किया गया। अब लगभग 5 माह बाद जड़ाव का मकान बन चुका है और वो मकान में ही रह रही है। वो कहती है ''आज मेरा मकान संगठन की मदद से ही बना है और संगठन की सदस्य होने से ही मेरा मकान का सपना पूरा हो पाया है, अगर एकल नारी शक्ति संगठन की सदस्य नहीं होती तो मैं अकेली कुछ नहीं कर पाती। संगठन मेरे दुख में काम आया है।''

दो दिवसीय ब्लॉक कमेटी सदस्य प्रशिक्षण आयोजित

प्रशिक्षण में सदस्यों को जानकारी देते हुए संदर्भ व्यक्ति

संगठन द्वारा दिनांक 21 से 22 फरवरी, 2017 को हनुमानगढ़ जिले में ब्लॉक कमेटी सदस्य प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण में गंगानगर जिले के सूरतगढ़ व रायसिंह नगर व हनुमानगढ़ जिले के नोहर एवं भादरा ब्लॉक से कुल 45 संभागीयों ने भाग लिया। प्रशिक्षण आयोजित करने के मुख्य उद्देश्यों में एकल महिलाओं की समस्या सुनना व समाधान करना, संगठन का ढांचा बताना, ग्राम व पंचायत स्तर पर समूह निर्माण की प्रकिया की क्षमता विकसित करना, ब्लॉक कमेटी सदस्यों की भूमिका, भूमि संपत्ति व अत्याचार से संबन्धित अधिकारों को जानना, सरकारी विभागों में संपर्क व बोलने की क्षमता विकसित करना व सरकारी योजनाओं की जानकारी देना है।

प्रशिक्षण के दौरान सभी बहनों को समूह में बिठाकर समस्याऐं निकलवायी गई जिसमें निकल कर आया कि बहनों को पालनहार योजना का लाभ नहीं मिलना, आवास की समस्या, खाद्य सुरक्षा योजना के तहत अनाज नहीं मिलना, रोजगार नहीं होना मुख्य समस्याऐं थी। इनके समाधान बताये गये। प्रशिक्षण में बहनों को विभिन्न सरकारी विभागों से संबन्धित योजनाओं की जानकारियां दी गई जिसमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग से हेतराम व्यास, यू.डी.सी. द्वारा पालनहार योजना के बारे में बताया एवं विधवा की पुत्री की शादी पर मिलने वाले अनुदान को प्राप्त करने के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने सहयोग योजना, पेंशन योजना, छात्रावास योजना, विधवा पुर्नविवाह योजना व छात्रवृति के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण में बहनों को कानूनी जानकारी प्रदान करने के लिए एडवोकेट श्रीमति रेशमी सियाग को आमंत्रित किया गया था जिन्होंने बहनों को घरेलू हिंसा कानून, भरण पोषण कानून, धारा 376 के अन्तर्गत महिलाओं को सम्पत्ति में अधिकार के बारे में बताया। प्रशिक्षण के पश्चात् बहनों में बदलाव देखने को मिला। उन्होंने बताया कि उनको यहां आने से कई योजनाऐं समझ में आई, बोलने की क्षमता बढ़ी, हमारे अंदर की भावनाऐं निकल कर सामने आई एवं हमारी समझ बढ़ी है।

संगठन की बहनों की बुलन्द आवाज

• • • • • •

लाल चुनडी ओढेंगे,
कुरितियों को तोड़ेंगे।

• •

दूध दही का एक रंग,
एकल बहिना एक संग।

राष्ट्रीय मंच के सदस्य राज्यों से जुड़े संगठन व उनकी सदस्यता

मंच की कुल सदस्यता – 107,539

क्र.	राज्य	संगठन/समूह	सदस्यता
1.	राजस्थान	एकल नारी शक्ति संगठन	53,335
2'.	गुजरात	एकल नारी शक्ति मंच	6,903
3.	हिमाचल प्रदेश	एकल नारी शक्ति संगठन	14,120
4.	झारखण्ड	एकल नारी शक्ति संगठन	23,183
5.	महाराष्ट्र	एकल महिला फैडरेशन	836
6.	पंजाब	एकल नारी शक्ति संगठन	1,639
7.	उत्तराखण्ड	एकल नारी शक्ति संगठन	1,45
8.	आन्ध्रप्रदेश	वन्तरी महिला नवचैतन्या सामख्या	2,349
9.	तेलंगाना	वन्तरी महिला हकुला सामख्या	4,019
10.	पच्छिम बंगाल	लोप्चू पैस्होक एकल महिला संगठन	0
11.	पाण्डुचैरी	एकल महिला फैडरेशन	1,010

महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र, कोटा शहर

राजस्थान सरकार की नियमन एवं अनुदान योजना 2010 के अन्तर्गत राज्य के सभी पुलिस जिलों के महिला थानों में महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र खोले गये हैं। इन्ही में से एक केन्द्र कोटा शहर द्वारा 1 अप्रेल, 2011 से महिला थाना परिसर, सूरजपोल, झाला हाऊस, कोटा शहर में संचालित है।

कोटा शहर के महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र का संचालन ''एकल नारी शक्ति संस्थान'' द्वारा छः वर्षों से सुचारू रूप से संचालित है।

सफलतम छः वर्षो का कार्य संकलन एक रिपोर्ट

क्र.	प्रकरणों में दी गई सेवाओं का विवरण	प्रकरणों की संख्या
1.	व्यथित महिला को व्यक्तिगत सलाह/मार्गदर्शन परामर्श	3152
2.	वैवाहिक घर में रहने के महिला के अधिकारों का संरक्षण	1016
3.	स्त्रीधन वापसी में सहयोग	221
4.	कोर्ट द्वारा भरण-पोषण आदेश प्राप्त करने में सहयोग	76
5.	व्यथित महिला के बच्चे दिलवाने में सहयोग	256
6.	निराश्रित की अवस्था में आश्रय गृह में प्रवेश दिलाने में सहयोग व मार्गदर्शन	29
7.	व्यथित महिला के संरक्षण हेतु संबन्धित व्यक्तियों पर पुलिस की पाबन्दी में सहयोग	546
8.	दहेज प्रकरण में उचित कार्यवाही में सहयोग	94
9.	पारिवारिक विघटन एवं तलाक जैसी परिस्थितियों में उचित मार्गदर्शन	1119
10.	एफआईआर दर्ज कराने में सहयोग	134
11.	पुलिस परिवाद दर्ज करवाने में सहयोग	154

आओ जाने.. कैसे बन सकता है ? आपके घर में शौचालय

भारत सरकार का अभियान स्वाच्छ भारत मिशन के तहत् शहरी व ग्रामीण क्षेत्र को खुले मे शौच से मुक्त करवाने के लिए पुरजोर तरीके से इस अभियान मे कार्य चल रहा है। परन्तु अभी भी देखने में आ रहा है कि पात्र परिवारों को अभी भी इसमे लाभ नही मिल पाया है।

कुछ लोगों को जानकारी का अभाव है कि कैसे, कब, कहां आवेदन करना है? कुछ लोगों को समस्या है कि उनके पास पहले शौचालय बनानें के लिए एडवांस राशि नही है। कई कारणों से वंचित लोग या खासतौर पर एकल महिलाऐं अपनें घर में शौचालय बनाने की आवश्यकता होने पर भी शौचालय नही बना पा रही हैं। आज हम जानेगें कि कैसे हम अपने घर मे शौचालय बना सकते है। और इसकी क्या प्रक्रिया है...........

विशेष जानकारी :

ऐसी महिलाऐं जो घर की मुखिया है, एकल महिलाऐं हैं यदि वो एडवान्स राशि नहीं होने की स्थिति में घर में शौचालय बनाने में असमर्थ है तो पंचायत स्तर पर सरपंच/सचिव से बात कर सकती हैं व लिखित मे सहमति पत्र दे सकती है कि वो पैसों के अभाव मे शौचालय बनाने मे असमर्थ हैं।

यदि ऐसी स्थिति मे भी आपकी समस्या का समाधान नही होता है तो जिला स्तर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी व जिला कलेक्टर को ऐसी महिलाओं की सूची बनाकर दे सकते हैं। उनके द्वारा संविदा पर कार्य के माध्यम से आपके घर में शौचालय निर्माण करवाया जा सकता है।

ग्रामीण क्षेत्र

1. शौचालय निर्माण हेतू आवेदन की पात्रता :–

- समस्त बीपीएल परिवार।
- एपीएल परिवार।
- अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति परिवार।
- लघु सीमान्त किसान।
- भूमिहीन मजदूर।
- शारीरिक रुप से अक्षम।
- महिला मुखिया वाले परिवार (एकल, विधवा, तलाकशुदा महिलाऐं)

2. आवेदन के लिए आवश्यक :–

- शौचालय बनाने के लिए जगह होना आवश्यक है।

3. आवेदन फार्म कहां जमा करवाना है ?

- ग्रामीण क्षेत्र में आवेदन के लिए फार्म आपको ग्राम पंचायत, पंचायत समिति से प्राप्त कर सकते है। और आवेदन पत्र भरकर पंचायत या पंचायत समिति में जमा करवा सकते हैं।

सत्यापित कर्ता : ग्रामीण क्षेत्र में सरपंच/सचिव।

4. फार्म मे लगने वाले दस्तावेज :–

- आधार कार्ड की कॉपी।
- बैंक पासबुक की फोटो कॉपी।
- आवेदक के तीन फोटो।

5. अनुदान की राशि :–

- अनुदान की राशि 12,000.00 रुपये है। जो कि किश्तों में नियमानुसार देय होगी।

शहरी क्षेत्र

1. शौचालय निर्माण हेतू आवेदन की पात्रता :–

- समस्त बीपीएल परिवार।
- एपीएल परिवार ।
- अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति परिवार।
- शारीरिक रुप से अक्षम।
- महिला मुखिया वाले परिवार (एकल, विधवा, तलाकशुदा महिलाऐ)
- कच्चा शौचालय जिसका मल-मूत्र नाली, नदी में बहाया जाता है, उसको परिवर्तित कर पक्का निर्माण करना।

2. आवेदन के लिए आवश्यक :–

- शौचालय बनाने के लिए जगह होना आवश्यक है।

3. आवेदन फार्म कहां जमा करवाना है ?

- शहरी क्षेत्र मे आवेदन पत्र नगर पालिका, नगर निगम, नगर मण्डल से प्राप्त हो सकता है। आवेदन भरकर नगर निगम, नगर पालिका, नगर मण्डल के कार्यालय में जमा करवा सकते हैं।

सत्यापित कर्ता : शहरी क्षेत्र में सेक्टर अधिकारी/सफाई निरिक्षक।

4. फार्म मे लगने वाले दस्तावेज :–

- आधार कार्ड की कॉपी।
- बैंक पासबुक की फोटो कॉपी।
- आवेदक के तीन फोटो।

5. अनुदान की राशि :–

- अनुदान की राशि 12,000.00 रुपये है। जो कि किश्तों में नियमानुसार देय होगी।

कोटा नगर निगम द्वारा विशेष : शौचालय निर्माण हेतू भारत सरकार व राजस्थान सरकार द्वारा अनुदानित राशि 12000.00 (बारह हजार रुपये) के अलावा 3000.00 रुपये कोटा नगर निगम द्वारा दिये जाते हैं। कुल राशि 15000.00 रुपये। यह अभी केवल कोटा शहर के लिए प्रावधान है।

एकल महिलायें भी स्वच्छता अभियान के साथ

मंजिलों को पाने की चाहत रखते हैं,
वो समुन्दर पर भी पुल बना लेते हैं।

डुंगरपुर जिले की सागवाडा तहसील का एक गांव जिसका नाम है पाडवा। गांव मे काफी विकास के कार्य होते हैं। लेकिन गांव में स्वच्छता की कमी है। यहां सडक पर गंदगी व कचरा फैला हुआ रहता है एवं सड़कों में गड्डे हैं। जगह जगह नालियों का पानी सड़क पर आ जाता है जिससे आये दिन दुर्घटनायें होती रहती है। लेकिन कोई आवाज नही उठाता था।

किन्तु अब ऐसी स्थिति नहीं है क्योंकि गांव की इस समस्या के खिलाफ आवाज उठाई है एकल नारी शक्ति संगठन की कार्यकर्ता तारा बारोठ ने। अभी कुछ दिनों पहले जब तारा जी सड़क से जा रही थी। तब उनका पैर सड़क पर कीचड़ होने के कारण फिसल गया और वो गिरते-गिरते बची। सड़कों का यह हाल देख कर तारा बाई जोर-जोर से चिल्लाते हुए बोली कि सड़कों की हालत कितनी खराब हो गई है। चारो तरफ गंदगी ही गंदगी है। उसने गांव के लोगों को इकट्टा कर कहा कि अबकी बार कोई भी गांववासी इस सरपंच को वोट नहीं देना। तारा का साथ देते हुए गांव की कुछ महिलाऐं भी उसके पक्ष में बोलने लगी। दो दिन बाद जब तारा देवी बारोठ पंचायत मे गई तो वहां पर पिछले दिनों हुई उस घटना की चर्चा छिड़ गई। तब तारा बाई ने कहा कि गांव में गंदगी बहुत ज्यादा है, लेकिन सरपंच है कि ध्यान नहीं देता।

इसके बाद तारा बाई बोली की अब मैं यहां पर संगठन की बहनों एवं अन्य गांव की बहनों को इकट्टा कर कलेक्टर साहब के पास लिखित में शिकायत देकर आउंगी और इस समस्या के बारे में कलेक्टर साहब को अवगत करवाउंगी।

यह बात लोगों ने पंचायत में भी बतायी कि और कहा कि तारा बाई काफी सकिय महिला है और यदि उसने कहा कि तो करके भी दिखा देगी। इस पर दूसरे दिन ही गांव में सड़कों पर साफ-सफाई होना शुरू हो गई और पंचायत वालों ने तारादेवी को मोबाईल पर फोन कर बताया कि आप आगे शिकायत मत करना, हमने आपकी समस्या का समाधान कर दिया है। गांव के लोग अब तारा जी की तारीफ करते नहीं थकते की एक महिला होकर कैसे उसने गांव में सड़कों की सफाई करवादी?

तारा बाई कहती है कि संगठन की सदस्य होने के नाते ऐसे मामलों ने निपटना मुझे आता है।

यह एकल नारी की आवाज है....

संगठन में संगठित है,
एकल महिलाओं को जोड़ती है,
स्वयं को मजबूत बनाती है,
अपने जीवन को फिर से संवारती है,
यह एकल नारी की आवाज है......

अपने जैसी बहनों को संगठन से जोड़ती है,
उनको भी सबल प्रदान करती है,
उनको अधिकारों से जागरूक करती है,
स्वयं की समस्याओं को मिलकर सुलझाती है,
यह एकल नारी की आवाज है.......

गांव की भी है, वह शहर की भी है,
खुशियों के गीत मिलजुल कर गाती है,
पंचायत से जिला स्तर तक, एकल महिलाओं की
शक्ति को दर्शाती है,
यह एकल नारी की आवाज है.....

महिला हितों व अधिकारों का करती संरक्षण है,
समाज की मुख्य धारा से, स्वयं को जोड़ती है,
स्वयं का निर्णय स्वयं है लेती,
यह एकल नारी की आवाज है......

श्रृंगारित करती है मिलकर एक–दूजे को,
संभालती व संवारती है,
महिला सशक्तिकरण का देती यह परिचय,
पूरे राजस्थान की आन–बान सान है,
यह एकल नारी की आवाज है।

–ज्योति सुवालका
(परामर्शदात्री)
महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र, कोटा शहर

दिल की बात

तनहा रहना सीख लिया था हमने,
पर खुश कभी ना रह पाये थे,
जब से मिला है संगठन का परिवार,
सारे दुख भुलाकर हम,
हजारों बहिनों का साथ पाये हैं।

हम अपना अधिकार जानते, नहीं किसी से भीख मांगते

कैसे सोच लिया?....
मैं अपना अधिकार छोड़ दूंगी

परवीन बाई

मैं परवीन बाई उम्र 35 वर्ष, निवासी नौताडा पंचायत ब्लाक सुल्तानपुर, जिला कोटा की रहने वाली हूं और तलाकशुदा दिव्यांग मुस्लिम एकल महिला हूं। मेरा ससुराल व पीहर एक ही गांव मे है। मेरे पति ने मुझे 15 साल पहले ही छोड दिया था। मैं पिछले 12 साल से एकल नारी शक्ति संगठन से जुड़ी हुई हूं। मेरे 16 साल की एक बेटी है, जिसका नाम नवीनजहां है। अभी मैं संगठन में ब्लाक कार्यकर्ता के पद पर कार्य कर रही हूं। मेरे एक कच्चा मकान है जिसमें एक कमरा है। उसमे मेरी बेटी हम दोनों साथ रहते हैं।

अभी हाल ही मे मैंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् मकान का फार्म भरा था। जिसमें एकल महिला होने के नाते प्राथमिकता के आधार पर मेरा आवास स्वीकृत हुआ। उसकी खबर मेरे पति को मिल गई तो उसने ग्राम पंचायत जाकर सचिव को शिकायत की और बोला कि इस योजना का लाभ तो मुझे मिल गया फिर आपने कैसे मेरी बीवी का आवास स्वीकृत कर दिया? यह सब बात सुनकर सचिव ने मेरा फार्म रोक दिया और फोन किया की एक ही घर में दो आवास योजना का लाभ कैसे दे सकते हैं। तो आपको यह लाभ नही मिलेगा। मैनें सरपंच साहब, विकास अधिकारी जी के सामने सारी स्थिति रखी। और बताया कि मुझे आवास योजना का लाभ क्यों नही मिल सकता? बीडीओ साहब ने कहा कि यदि कलेक्टर साहब स्वीकृति दे देते हैं तो हम यह लाभ आपको दे सकते हैं। मैं अकेली ही कोटा जिला कलेक्टर से मिली और उन्हें सारी बात बताई और अपनी समस्या लिख कर दी।

उन्होंने कहा कि यदि आपके पास तलाक का पेपर हैं तो हम यह आवास स्वीकृत कर सकते हैं। और सरपंच से लिखवाना होगा कि आप 15 साल से पति से अलग रह रही हैं। मैं सरपंच साहब से जाकर मिली और उनसे प्रमाण पत्र बनावाया। उसके बाद कलेक्टर साहब को दिया और मेरा आवास स्वीकृत हो गया। मुझे मकान की पहली किश्त 30,000 / रु भी मिल गयी। संगठन से जुड़ने के बाद इतनी मजबुती मुझे मिली है कि मैं स्वयं की लड़ाई व और बहिनों के हक की लड़ाई लड़ सकती हूं और कैसे लोग सोच सकते है कि परवीन अपना अधिकार छोड़ देगी?

मिलन मेले कोटड़ा में निभाई भागीदारी

एकल नारी शक्ति संगठन सदस्यों की अन्य संस्था/संगठनों के कार्यक्रमों मे भी भागीदारी समय-समय पर रहती है ताकि काम व अनुभवों का आपस में आदान प्रदान हो सके और एक दूसरे से सीख सकें।

इसी संदर्भ में 23 फरवरी, 2017 को मिलन मेला, आदिवासी विकास मंच संगठन, कोटड़ा द्वारा 30-31 दिसम्बर 2016 को महिला जागृति समिति द्वारा पई मेला आयोजित किया गया। मिलन मेले के दौरान निकल कर आया कि यह मिलन मेला गरीब मजदूर किसान, आदिवासी भाई-बहनों का अपना मेला है जो कि साल में एक बार आयोजित किया जाता है। इस मेले में स्थानीय संगठनों के सदस्यों के अलावा बाहर से भी संस्था/संगठन/ जनप्रतिनिधी/ अधिकारीगण भाग लेते हैं। एकल नारी शक्ति संगठन के सदस्यों द्वारा इन मेलों मे भागीदारी रही। मेले में आदिवासी विकास और महिला सशक्तिकरण पर संगठन सदस्यों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई एवं किताबों, पम्पलेट्, कल नारी की आवाज आदि सामग्रियों द्वारा मेले में भाग लेने वाले व्यक्तियों को जानकारी दी गई।

**तू और इम्तिहान पे इम्तिहान लिये जा जिन्दगी,
हमारे हौंसलों की स्याही अभी भी बाकी है।**

उदयपुर में आयोजित हुई राज्य स्तरीय सदस्य बैठक

एकल नारी शक्ति संगठन की दो दिवसीय राज्य स्तरीय सदस्य बैठक दिनांक 26-27 नवम्बर 2016 को आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बेदला, उदयपुर जिले में आयोजित की गई। जिसमे 27 जिलों के 78 संभागीयों ने भाग लिया। राज्य स्तर बैठक साल में तीन बार आयोजित की जाती है। राज्य स्तर बैठक का मुख्य उददेश्य चार माह के कार्यो का संकलन विशेष केस स्टेडी. समस्या समाधान मुद्दें, नये सदस्यो का रिकॉर्ड. संगठन ब्लाक खातो की रिपोर्ट व संगठन के हित में ठोस निर्णय लेना साथ ही नई योजनाओं के बारे में बताना व संगठन के कार्यो का मूल्यांकन करना है।

बैठक का संचालन संगठन अध्यक्ष कंकू बाई द्वारा किया गया। जिसमें जिलेवार नये सदस्य, बिल्ला वितरण व ब्लाक राशि का रिकॉर्ड बताया गया। सफल केस स्टेडी सुनाई गई। पूरे 33 जिलों से 1455 नये सदस्य चार माह में बनाये गये। अभी वर्तमान में संगठन के कुल सदस्य 53,335 है।

बैठक में संभागियों द्वारा 3-4 नवम्बर 2016 को कोटा जिले में आयोजित राज्य स्तर कार्यक्रम बहना दूज की रिर्पोट व मूल्यांकन व अनुभव सबके साथ साझा किये गये।

बैठक में चर्चा की गई कि आज संगठन को बने हुये 17 साल हो चुके हैं और हजारों एकल महिलाऐं संगठन की सदस्य है और मजबूत है, तो नैतृत्व क्षमता भी बढ़ना चाहिए। नई लीडरशीप को हमें आगे लाना चाहिए। अभी वर्तमान में संगठन कार्य 33 जिलो के 125 ब्लाक में है और अभी 64 संगठन लीडर्स 108 ब्लाक में कार्य कर रहे हैं। जब हमारा मानना है कि हर ब्लाक में हमारी सदस्याऐं मजबूत है तो प्रत्येक ब्लाक में कम से कम एक स्थानीय लीडर तैयार करना चाहिए। ताकि सब लीडर्स स्थानीय स्तर पर मजबूती के साथ काम कर सके।

राज्य स्तर बैठक के दौरान चर्चा की गई कि इस कार्यकारिणी के तीन साल का कार्यकाल पूरा हो चुका है। इसी बैठक में नयी कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव किया जायेगा। पुरानी कार्यकारिणी सदस्याओं ने अपने कार्यकाल के दौरान के कुछ अनुभव सभी संभागियों के साथ साझा किये व कार्यकारिणी सदस्य चुनाव किये गये जिसमें नई कार्यकारिणी पदाधिकारी अध्यक्ष कमल पथिक, सचिव मुकेश जोशी, कोषाध्यक्ष सावित्री बाई व उपाध्यक्ष लाली धाकड को चुना गया व 7 अन्य कार्यकारिणी सदस्यों का चयन किया।

संगठन ब्लाक खातो के बारे में निर्णय लिया गया कि जहां खाता नहीं खुला वहां का पैसा आफिस में जमा करवाया जाये। कई ब्लाक खाते सक्रिय नहीं होने के कारण पैसों का उपयोग नहीं हो पा रहा है। यदि दोनो कलस्टर में एक-एक संगठन का खाता खोल कर पैसा जमा करवा देते हैं तो ब्याज भी मिलेगा व पैसों का पूरा रिकॉर्ड लिखित में होगा। सभी राज्य स्तर कमेटी सदस्यओं ने सहमति जताई की हम ब्लाक कमेटी की सहमति से यह पैसा निकलवा कर कोटा कलस्टर व उदयपुर कलस्टर के खाते में जमा करवायेगे।

बैठक में आजीविका व रोजगार के लिये कार्य करने पर चर्चा हुई जिसमें सदस्यों द्वारा किये गये कार्यो के बारे में अनुभव बताये अब तक 680 महिलाऐं आजीविका रोजगार से जुड़ कर प्रशिक्षण लेकर कार्य कर रही हैं। बैठक के दौरान सभी को बताया गया की जिन बहनों ने प्रशिक्षण तो लिया परन्तु वह कार्य नहीं कर रही हैं। वह भी रिकॉर्ड रखना है। उन्हे रोजगार दिलाने हेतु प्रयास करना है।

बैठक में वन बिलियन राईजिंग(उमड़तें सौ करोड़) के बारे में आगामी आयोंजना तय की गई। जिसमें बहनों ने बताया कि काली पट्टी बांधकर चैतना रैली निकालेंगे। नारे लेखन, मौन पदसंचलन ग्राम पचायत, ब्लॉक पर बैठक करेंगे। स्कूल व कालेज में जाकर जानकारी देंगे आदि। इसके अलावा अन्य कार्यक्रमों में भागीदारी बैठकों व कार्यक्रमों की रिर्पोट भी साझा की गई। जिसमें दिल्ली आम सभा बैठक रिपोर्ट, सलाहकार बैठक दिल्ली व उत्तराखण्ड स्वधारगृह की स्थिति की जानकारी, रांची मकाम बैठक रिपोर्ट सुनाई गई व चार माह की आगामी आयोजना भी तय की गई। बैठक का समापन सदस्याओं ने जोशपूर्ण गीत व नारों के साथ किया एवं अगली राज्य स्तरीय सदस्य बैठक 25 से 26 मार्च 2017 को आस्था प्रशिक्षण केन्द्र, बैदला उदयपुर में आयोजित करने का तय किया गया।

आपके सुझाव आमंत्रित हैं

एकल नारी की आवाज आपका अपना अखबार है। इसमें प्रकाशित हर सामग्री पर आप अपनी राय से हमें अवगत करा सकते हैं। भविष्य में एकल नारी की आवाज को आप किस रूप में देखना चाहते हैं तथा किन मुद्दों व विषयों पर अधिक ध्यान दिये जाने की जरूरत है, इन सभी पहलूओं पर हमारा ध्यान दिला सकते हैं। एकल नारी की आवाज के लिए आपकी ओर से भेजे जाने वाले आपके सुझाव आमंत्रित हैं।

एकल नारी शक्ति संगठन के सदस्यों की संख्या

क्र.सं.	जिला	ब्लॉक	सदस्य
1.	अजमेर	9	4555
2.	राजसमंद	5	2175
3.	सिरोही	3	988
4.	डूंगरपुर	5	1519
5.	बांसवाड़ा	6	951
6.	उदयपुर	8	3992
7.	भीलवाड़ा	6	2883
8.	जोधपुर	5	1381
9.	नागौर	4	2287
10.	जालोर	2	1034
11.	पाली	5	1999
12.	चित्तौड़गढ़	5	980
13.	टोंक	5	1301
14.	बारां	6	2987
15.	बूंदी	4	1515
16.	अलवर	3	1204
17.	सवाईमाधोपुर	5	1770
18.	जयपुर	4	1629
19.	कोटा	6	2754
20.	दौसा	4	1480
21.	बाड़मेर	4	1070
22.	सीकर	4	1178
23.	चुरू	3	2225
24.	झालावाड़	6	3443
25.	जैसलमेर	3	1313
26.	करौली	3	847
27.	प्रतापगढ़	4	928
28.	भरतपुर	3	919
29.	बीकानेर	2	300
30	हनुमानगढ़	2	439
31	झुंझनू	2	280
32	धोलपुर	2	351
33.	गंगानगर	2	195
	कुल योग	125	53,335

यदि कोई एकल महिला, एकल नारी शक्ति संगठन के बारे में कोई जानकारी चाहती है या सदस्य बनना चाहती है, अथवा अपने क्षेत्र को संगठन से जोड़ना चाहती है तो वह निम्न पते पर सम्पर्क करें -

एकल नारी शक्ति संगठन

- : पता : -

39, खारोल कोलोनी, उदयपुर-313004 (राज.)

फोन :0294-2451348 फैक्स :0294-2451391

3-पीपल्दा हाऊस, सिविल लाईन, कोटा -324008

फोन : 0744-2450726 फैक्स : 0744-2329536

ईमेल : astha39@gmail.com
ईमेल : ensskota@gmail.com
ईमेल : enssrajasthan@gmail.com
Website: www.strongwomenalone.org

सेवा में, बुक पोस्ट

श्रीमान/श्रीमती ....

पता ....

....

.... पिन कोड ....